vinetur

2026 की पहली छमाही में अमेरिका और चीन के बाहर शराब की खपत 1% बढ़ी

IWSR के आंकड़ों में 21 प्रमुख बाजारों में 1% गिरावट दिखी ; अमेरिका में मांग 4% और चीन में 3% घटी

बुधवार, 11 नवंबर 2026



IWSR ने मंगलवार, 10 नवंबर को जारी आंकड़ों में बताया कि 2026 की पहली छमाही में 21 प्रमुख बाजारों में शराब की खपत एक साल पहले की तुलना में 1% घटी। हालांकि, कुल आंकड़े से अमेरिका और चीन को हटा देने पर तस्वीर में बड़ा बदलाव दिखा।

IWSR के मुताबिक, 2026 की पहली छमाही के उसके डेटासेट में 21 बाजार शामिल हैं, जो वैश्विक अल्कोहल पेय की खपत का 76% हिस्सा रखते हैं। इन बाजारों में 2025 की पहली छमाही से 2026 की पहली छमाही तक अल्कोहल पेय की कुल मात्रा 1% घटी। हालांकि, अमेरिका और चीन को छोड़ने पर खपत 1% बढ़ी। ब्राजील, भारत, कोलंबिया, दक्षिण अफ्रीका और यूनाइटेड किंगडम में वृद्धि ने इसमें योगदान दिया।

रिपोर्ट दुनिया के दो सबसे बड़े शराब बाजारों और कई अन्य देशों के बीच बढ़ती खाई की ओर इशारा करती है। अमेरिका में अल्कोहल पेय की कुल खपत 4% घटी। इसमें बीयर की खपत में 4%, स्टिल वाइन में 6% और रेडी-टू-ड्रिंक उत्पादों में 4% की गिरावट प्रमुख रही। चीन में अल्कोहल पेय की कुल खपत 3% घटी ; बीयर 2%, स्टिल वाइन 9% और नेशनल

स्पिरिट्स 12% नीचे रहे।

इन दोनों बाजारों के बाहर कई देशों में बेहतर नतीजे दर्ज किए गए। भारत में अल्कोहल पेय की कुल मात्रा 10% बढ़ी। इसमें फुल-स्ट्रेंथ बीयर में 16%, RTD में 12% और भारतीय व्हिस्की में 4% की वृद्धि प्रमुख रही। ब्राजील में 3% बढ़त दर्ज हुई ; फुल-स्ट्रेंथ बीयर 3%, गैर-अल्कोहलिक बीयर 11% और RTD 9% बढ़े। कोलंबिया में 9% वृद्धि हुई, जिसे फुल-स्ट्रेंथ बीयर में 8%, गैर-अल्कोहलिक बीयर में 11% और RTD में 110% की उछाल से बल मिला।

दक्षिण अफ्रीका में 5% वृद्धि दर्ज हुई, जिसमें फुल-स्ट्रेंथ बीयर 5%, RTD 4% और स्टिल वाइन 3% बढ़े। ब्रिटेन में 2% की वृद्धि हुई। फुल-स्ट्रेंथ बीयर में 2%, गैर-अल्कोहलिक बीयर में 22% और RTD में 25% की बढ़त ने इसमें मदद की।

श्रेणीवार आंकड़ों से पता चला कि उद्योग के कुछ सबसे बड़े सेगमेंट में वैश्विक मांग अब भी दबाव में है। IWSR के मुताबिक, 21 बाजारों में मात्रा में आई गिरावट का बड़ा हिस्सा तीन श्रेणियों से जुड़ा था : फुल-स्ट्रेंथ बीयर, जो 1% से कम घटी, लेकिन बड़े बाजार आकार के कारण उसका असर अनुपात से ज्यादा रहा ; स्टिल वाइन, जिसमें 4% की गिरावट आई ; और नेशनल स्पिरिट्स, जो 11% नीचे रहे।

कुछ श्रेणियों में अब भी विस्तार हुआ। 21 बाजारों में गैर-अल्कोहलिक बीयर 8% बढ़ी। भारतीय व्हिस्की में 4% और प्रोसेको में 3% की वृद्धि हुई। ये बढ़तें बताती हैं कि उपभोक्ता सभी तरह की शराब से एकसमान दूरी नहीं बना रहे, बल्कि श्रेणियों और कीमतों के अलग-अलग स्तरों के बीच खर्च का रुख बदल रहे हैं।

वाइन उत्पादकों के लिए स्टिल वाइन के आंकड़े दबाव के सबसे स्पष्ट संकेतों में से थे। 21 बाजारों में इस श्रेणी में 4% की गिरावट आई, जबकि अमेरिका और चीन में गिरावट और तेज रही। प्रोसेको की 3% वृद्धि के साथ यह अंतर पेय क्षेत्र के सामने यह सवाल और अहम बना सकता है कि किन बाजारों में मांग टिक रही है और उत्पादकों को अपने उत्पाद-मिश्रण, निर्यात योजनाओं तथा वाणिज्यिक अनुमानों में कहां बदलाव करना पड़ सकता है। अमेरिका और चीन की कमजोरी से लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया के कुछ हिस्सों के रुझान जिस तरह अलग हो रहे हैं, उससे बीयर और स्पिरिट्स कंपनियों को भी इसी तरह के फैसले लेने पड़ सकते हैं।

IWSR ने कहा कि 2026 की पहली छमाही के नतीजे कुल मिलाकर कमजोर रहे, लेकिन एक साल पहले की समान अवधि से बेहतर थे। अल्कोहल पेय की कुल मात्रा में 1% की गिरावट, 2024 की पहली छमाही से 2025 की पहली छमाही के बीच दर्ज 2% की गिरावट से कम थी।

नवीनतम अवधि में सात बाजारों में साल-दर-साल वृद्धि दर्ज हुई : ब्राजील, मेक्सिको, भारत, ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका, कोलंबिया और थाईलैंड। छह बाजारों में गिरावट एक साल पहले की तुलना में कम रही : जर्मनी, जापान, इटली, फ्रांस, पोलैंड और ऑस्ट्रेलिया। स्पेन, ताइवान और अमेरिका में गिरावट पिछले साल के लगभग समान स्तर पर रही, जबकि चीन, रूस, कनाडा, फिलीपींस और नीदरलैंड में गिरावट और तेज हुई।

IWSR ने कहा कि संयमित सेवन के व्यापक रुझान और GLP-1 दवाओं का बढ़ता इस्तेमाल दुनियाभर में शराब की खपत पर असर डाल रहे हैं, लेकिन उसके मुताबिक, केवल इन कारकों से अमेरिका और चीन में आई बड़ी गिरावट की व्याख्या नहीं होती। समूह ने चीन में धीमी आर्थिक वृद्धि और संरचनात्मक दबावों का हवाला दिया, जिनमें लंबे समय से जारी संपत्ति संकट और बढ़ती उम्र की आबादी शामिल हैं। अमेरिका में उसके मुताबिक, टैरिफ, महंगाई का दबाव और व्यापक आर्थिक अनिश्चितता का उपभोक्ताओं पर अधिक असर पड़ा।

आंकड़ों के साथ जारी एक बयान में IWSR के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक Marten Lodewijks ने कहा कि भारत और ब्राजील जैसे देशों में वृद्धि जारी रहने के बावजूद संयमित सेवन बाजार की एक संरचनात्मक विशेषता बन रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि नवीनतम आंकड़े अमेरिका और चीन के उपभोक्ताओं तथा दुनिया के बाकी हिस्सों के उपभोक्ताओं के बीच बढ़ते अंतर को दिखाते हैं।

मात्रा और मूल्य, दोनों के लिहाज से अमेरिका और चीन उद्योग के सबसे बड़े बाजार बने हुए हैं, इसलिए यह अंतर इन दोनों देशों से कहीं आगे तक मायने रखता है। पेय कंपनियों, आपूर्तिकर्ताओं और वितरकों के लिए यह भिन्नता निवेश की दिशा, प्राथमिकता वाली श्रेणियों और 2027 की योजना को प्रभावित कर सकती है। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि स्टिल वाइन और नेशनल स्पिरिट्स की कमजोरी सभी अल्कोहल सेगमेंट में समान रूप से नहीं दिख रही ; कई बाजारों में RTD, गैर-अल्कोहलिक बीयर और कुछ स्पार्कलिंग उत्पाद अपेक्षाकृत अधिक मजबूती दिखा रहे हैं।